

# Heat an Using The Gazette of India

# असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग I—सण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाश्चित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 212]

नई विश्लो, बृहस्पतिवार, अन्त्वर 6, 1988/आध्विम 14, 1910 NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 6, 1988/ASVINA 14. 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# वाणिक्य मंत्राक्षय

द्यायाम व्यापार नियंत्रण

मार्बजनिक मूचना सं. 60 ग्राई टी सी (पी एन)/88--91

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1988

विषय:-- अप्रैल, 1988-- मार्च, 1991 की श्रावात-निर्यात नीति।

का. मं. म्राई. पी. मी. /4/5(19)/88--91.- -वाणिज्य मंत्रालय की यथा संगोधित सार्वजनिक सूचना सं.-1 म्राई टी सी (पी एन)/88--91, विलोक 30 मार्च, 1988 के ग्राधीन प्रकाणित प्राधान-नियान नीनि, 1988--91 की म्रोर ध्यान विलाधा जाना है।

उक्म नें(ति में निम्नलिखित संगोधन नीचे उल्लिखित उचित स्थानों पर किए जाएंगे :--

क्रमसं , भाषात-निर्मात नीति,

मन्दर्भ

संगोधन

1988--- 91 (खण्ड-1) की

पच्ठ संख्या

L

3

4

1. 32

श्रध्याय~- ४

वर्तमान पैरा 104 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:--

1(क) कुश्चि के लिए जीवित पौधों, बीजों या पोधों की म्रन्य सामग्री के म्रायात की म्रनुमित कृषि एवं सहकारिता विभाग की सिफारिश पर, पौधे, फल एवं बीज (भारत में प्रायात विनियमन) घादेश, 1984 के माबधानों के भ्रधीत दी जाएगी। म्रायात की म्रनुमित निर्धारित संगरोध विनियमनों की म्रनुपालना की एनं के म्रधीन दी जाएगी। भ्रायात केवल बम्बई, कलकसा, सद्रास, दिल्ली भीर म्रमुनसर में किया जाना चाहिए।

40-10-

- (ख) बग्नाई के लिए मोटे भ्रमाज/दालों भीर तेल बीजों के श्रायात की श्रमुमति, उन कप्पनियों की दो वर्ष से श्रधिक के लिए नहीं दी जाए जिन्होंने बीज उत्पादन के लिए बिदेशी कम्पनियों के माथ तकनीकी/ वित्तीय सहयोग समझौता कर रखा हो बर्शत कि निवेशी संभरक' भाग्नीय कम्पनी की कृषि एवं सहकारिता विभाग से उसके प्रामात की स्वीकृति हो जाते के बाद प्रथम परेषण की तारीख से दो वर्ष की भविध के भीतर पेरेंट लाइन मीज की भाष्ट्रीत करना स्वीकार करता हो , श्रायात लाइसेंस कृषि एवं सहकारिता विश्राग की मिफारिश पर मुख्य नियंत्रक, धासात नियंति, नई बिल्ली द्वारा जारी किया जाएगा ।
- (ग) राष्ट्रीय क्षीज निगम भीर राज्य बीज निगमों को मोटे ग्रनाज, तेल बीज भीर दालों के बीजों के ब्रामात की अनुमति कृषि एवं महकारिता विभाग की सिफारिश पर दी आए।
- (घ) फर्नों के लिए बीज/पौधे लगाने की सामग्री के ग्रायात की सिफारिश कृषि तया सहकारित। विभाग द्वारा राज्य के बागवानी/कृषिक निवेशक की सिफारिश पर चनिन्तास्य में प्रलग-प्रलग मामलों के प्राधार पर ऐसे संगरोध विनियमों की धर्धान की जाएगी जो कि पाद संस्थाण सलाहकार (पी पीए) द्वारा निर्धारित किए गए हों।
- (क) वक्तों, झाडियों भादि के बीओं के लिए बोने की सामग्री के भायात की अनमति भारतीय वन अनुसंधान संस्थान की सिफारिश पर, पौधे, कल एवं की (भारत में श्रायात धिनियम) श्रादेश, 1984 के प्रावधानों के अर्धान दो आए। धायात पर्योबरण एवं यन मंत्रालय द्वारा निरीक्षण एवं पहचान की गा के अधीम होगा।
- (2) स्वल, समूत्र या बायुगान द्वारा बीजों, पौधों, जीविन धीर पौधे सामग्री के सभी श्रायात/श्रायातों के साथ मूल देश के उचित प्राधिकारी द्वारा जारी किया गय अंतरिष्ट्रीय रूप से मान्यताप्राप्त प्रपक्ष में फिटोसेनिटरी प्रमाणपत्न लगा होना चाहिए जिसमें यह दर्शाया जाना चाहिए कि प्रेषण हानिकर कीक़ों, महामारी पौधीं की बीमपरियों से मुक्त हैं। फिटोसेनिटरी प्रमाणपत-पत में जोड़ा जाने बाला श्रीतरिक्त घोषणा पत्न पौधा सेरक्षण सलाहकार द्वारा निर्धारित किया जाए। इस सम्बन्ध में उचित और समय के भीतर सहायता के लिए स्वयं भारत।सित होने के लिए, पान्न भायातकों को सलाह दी जाती है कि वे विनाशकारी कीट और महामारी मधिनियम, 1914 के प्रावधानों के सहत भ्रायात परिमट की मंजूरी के लिए पादप संरक्षण, संगरीध तथा भण्डारण, फरीदाबाद निवेशालय के पादप संरक्षण सलाहकार या उस के द्वारा प्राधिकत मध्य मधिकारी से आवेदन करें भीर भागतित श्रेथण की निकासी के समय पीधा संगरोध प्राधिकारी की उसे विखाए ।
- (3) ब्हाई के लिए बीजों के प्राधातित परेषण की सीमाशुल्क निकासी, पौधा संरक्षण सलाहकार द्वारा संगरीध निकासी विए जाने के बाद दी जाएगी। बुझाई के लिए बीओं के श्रायातित परेषण को, जब तक संगरोध/सीमाशुरक निकासी नहीं दी जाएगी । बंधित गोदामों में झायानक की लागत पर रखा जाएगा ।
- (4) जंगली फाउना और फ्लोरा की संकटापना जातियों के झन्तरिष्ट्रीय व्यापार समझौते (सी आई टी ई एस) के किसी भी परिशिष्ट में सुवीबद पौछों की जातियों का प्राथात भारत सरकार के जंगली जीव संरक्षण उप निदेशक के निरीक्षाधीय होगा।

परिभिष्ट--- 2 शग--ख

विद्यमान प्रविष्टि सं, 101 के बाद निम्निनिक्षित नई प्रविष्टि जोड़ी जाएगी:---"101 क. गेहुं भौर धान के बीज 34-1071-02-1"

3 [भाग !--खंड 1] मारत का राजपक्ष : प्रसाधारण विद्यमान मद सं. 47 के बाद निम्नलिखित नई मद जोड़ी जाएगी :--परिशिष्ट--6 3. 166 पास मायातकों की श्रेणियां (48)(i) सम्जियों/फूंलां के बीज, सजावटी (क) कृषि विभाग/राज्य सरकारों पौधों के बीज, फूलों के ट्यूबरस के उद्यान विभाग राज्यों के, क्षचि विश्व विद्यालय भौर और धलास भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ii) फूलों के कटिंग्स, सैंपलिंग्स, बड बुष इत्यादि । (ब्राई, सी. ए. ब्रार.) (ख) बीज उत्पादन करने बाली भारतीय कंपनियों/कर्मे जो कि भारतीय बीज निगम के साथ पंजीकृत हों। (ग) भारतीय बीज निगम राज्य बीज निगम। (घ) खाद्य संसाधन के श्रीद्योगिक एककः। (इ) कृषि निदेशक/राज्य सरकारों के उद्यान विभाग के मायों पंजीकृत फुल और सन्जियों के उपजाने वाले । वर्णमान गर्त सं. (45) के बाद निम्नलिखित गर्त जोड़ी जाएगी:---परिशिष्ट---6 4. 172 "(45.क(1) इस परिशिष्ट की मद सं. 48(1) द्वारा सिकायों के बीजों/ खने मामान्य लाइसेंस के तहत मायात को णासित करने वाली शर्ते

फूलों, सजाबटी पौधों के बीजों फुलों के द्यबरस और बस्बस का पान ग्रामातक द्वारा प्रायात पौधे, कल एवं बीज (भारत में ग्रायात करने के लिए विनियमन) आदेश, 1984 के प्रावधानों के तहत शासित होगा और पादप रक्षण सलाहकार द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार ऐसे संगरीध विनियमनों की संतुष्टि के पश्चात प्रत्यक्ष निरीक्षण, प्रयोगशाला निरीक्षण और वृद्धि परीक्षण झावश्य होंगे। परेषण तक तक बंधित गोदाम में प्रायातक की लागत पर रखा जाएगा जब तक संगरोध/ सीमाशुल्क निकासी नहीं वे वी जाती । सक्जियों, फलों/सजाबटी पौधों के बीजों फुर्तों के ट्यूबरस और बस्बों की सीमाणुरूक निकासी, सीमाणुरूक प्राधिकारी द्वारा पादप संरक्षण सलाहकार से संगरोध निकासी पत्न की प्राप्ति होने पर दी जाएगी ।

- (2) त्रगर परेषण को देखने से यह पता चले कि उसमे किसी बीमारी, महामारी या बिदेशी बीमारी के गोलकृमि लगे हुए है या प्रकट है तो सम्पूर्ण परेषण को धरवीकार कर विया जाएगा और इसे नष्ट करने की निर्धारित प्रक्रिया के तहत मध्द कर दिया जाएगा।
- (45.ख)(1) इस परिशिष्ट की मद सं. (48)(2) द्वारा फुलों की कटिंग और सैपॉलंग्स के भायातकों के पास पादप संरक्षण सलाहकार (पी. पी. ए.) द्वारा यथा निधारित पोस्ट एन्ट्री क्वारन्टी (पी. ई. क्यू.) सुविद्याएं होनी चाहिए ।
  - (2) फुलो के कदिग्स, सैपलिंग्स, धड-मुख इस्थादि के बागात के लिए बास्तविक निरीक्षण एवं प्रयोगन्नाला निरीक्षण पास्ट ्रहन्द्री क्वाररन्टीन प्रनिवार्य होगी । पादप रक्षण सलाहकार द्वारा यथा निर्धारित की जाने वाली पोस्ट इन्ट्री क्वॉरन्टाइन मुविधाएं खुले सामान्य लाइमेंस के तहत भाषात के लिए फ्रनुमेंब प्रायातकों की पात्रता श्रेणियों द्वारा स्थापित की जानी चाहिए।

	2	3	4
			<ul><li>(3) सीमाणुक प्राधिकारी द्वारा पादप सरक्षण गलाहकार से क्वॉरन्टाइन निकासी प्राप्त होने पर परेषण की सीमाणुक्त निकासी दी जाएगी।</li></ul>
			(1) फूलों के कटिंग्स, मैपलिम्स वडबुड इत्यादि जिनके लिए पी. ई. क्यू. निरीक्षण की झावण्यकता होती है उन्हें पादप, फल एवं बीज (भारत में आयात के लिए बिनियमन) आवेश, 1984 के तहत निर्धारित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित प्रविधि पक्ष्वात् संगरोध पी. ई. क्यू. सुविधा में उगाया आएगा। यदि संगरोध/मीमाशुल्क निकासी के उपरान्त उक्त प्राधिकारी पी. ई. क्यू. निरीक्षण के दौरान यह देखता है कि इनमें कंक्षि विदेशी की ज़्य या बीमारी है तो निर्धारित उंग से उसी समय सामग्री को नष्ट कर दिया जाएगा।
3.	312	परिभिष्ट 17 नियति उत्पवि	कालम संख्या (5) में निम्तलिखित जोड़ा जाएगाः— "सामान्य नोट"ः—
		धुप <b>छ</b> . 2 कालम मं.——5	(1) फूलों के बीज/सिब्जियां/मजायटी पौधे और कंद और फूलों की निलका मर्दी के लिए ग्रार. ई. पी. लाइसेंस के हस्सान्तरण की स्वीकृति केवल उन्हीं व्यक्तियां को वी जाएगी जोकि इस पुस्तक के परिणिष्ट-—6 में क्रम सं. 48 में उल्लिखित पात्र ग्रायात ग्रायातकों की श्रेणी में ग्राते हों, बग्रातें कि वे पौथों फलों और बीज (भारत में ग्रायात विनियमत) ग्रादेश, 1984 की निर्धारित ग्रातों को पूरा करते हों।"
6.	312	परिशिष्ड17 निर्यात उत्पाद छ 2(i)(क) कालम सं. 4 मदसं. (घ)	मद सं. (घ) के मौजूदा दिवरण को निम्नप्रकार से संगोधित किया जाएगाः ''(ङ) सब्जियों/फूलों के बीज, तिलहनी और सुखे मैदां को छोड़करा'
7.	312	परिभिष्ट 1.7 निर्यात उत्पाद छ <sub> 2</sub> (i) (ख)	मद (क) के मीजूदा विवरण को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाएगा :→-
		कालम सं. —— 4 मद र ख्या —— (क)	''(क) उपर्युक्त कम सं. छ. ३ (i) (क) केसामने मद (क), (ख), (ग) और (ङ) भदों केसमान ।''
8.	313	परिशिष्ठः 1 <i>7</i> निर्यात उत्पाद	<ul><li>(i) मद सं. (क) के मीजूबा विवरण को निम्न प्रकार में संशोधित किया जाएगा :-</li></ul>
		छ. 2(ii) कालम सं. 4	<ul> <li>(क) राष्ट्रियों/फूलों के बीज (क्षिलहनो/सूखे मेवों को छोड़कर)।</li> <li>(ii) मौजूदा मद(ङ) को हटा दिया जाएगा।</li> <li>(iii) मद सं. (च) के मौजूदा विवरण को निम्नद्रकार से संगोधित किया जाएगा:</li> </ul>
			''(च) फूलों के बतब और प्यूबर्स''
9.	313	परिशिष्ड 1 7 निर्यात उत्पाद छ. 2(iii)	<ul> <li>(i) मद (ख) के मौजूदा विश्वरण को निम्नप्रकार से संगोधित किया आएगा : "(ख) सजाबटी पौधों/सब्जियों/फूलों के बीज (तिलहनों और सुखे मेबों कं छोड़कर)।"</li> </ul>
		कालम सं. 1	<ul> <li>(ii) गद (घ) के मौजूबा विवरण को निम्नप्रकार से संशोधित किया आएगा :</li> <li>"(ध) फूलों के बल्बस और प्यूचर्स ।"</li> </ul>

ग्रीयात नीति में ज्यर्युक्त संशोधन अनहित में किए गए हैं-।

### MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 60-I.T.C,(PN) /88-91 New Delhi, the 6th October, 1981

Subject : Import and Export Policy for April 1988-March 1991.

F.N. 213/1/5(1)/38-91;-Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1988-March 1991, published under the Musistry of Communes Public Notice No. 1-ITCP(N)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:-

SI. No.	Page No. of Import and Export Policy, 198891 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3	4

1. 32 CriAPTER VIII Enport of Plants, Seeds and other Plant Material Para 104

The existing paragraph 104 shall be substituted by the following:-

- "104 (1) (a) Import of living plants, seeds for sowing or other plant materials may be allowed on the recommendations of the Deptt. of Agriculture & Cooperation subject to the provisions of the Plant, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984, Imports shall be allowed subject to-compliance with the prescribed quarantine regulations. Imports should be made only at Bombay, Calcutta, Madras, Delhi and Amritsar.
  - (b) The Import of seeds of coarse cereals/pulses and oilseeds for sewing may be allowed for a period not exceeding two years to companies which have technical/financial collaboration agreements for production of seed with companies abroad provided the foreign supplier agrees to supply parent line seeds to the Indian company within a period of two years from the date of import of the first consignment after its import has been cleared by Department of Agriculture & Cooperation. The import licence will be granted by the CCI&E for import on the recommendation of the Department of Agriculture and Cooperation.
  - (c) The National Seeds Corporation and the State Seeds Corporations may be permitted to import seeds of coarse cereals, oilseeds and pulses on the recommendation of the Department of Agriculture & Cooperation.
  - (d) The import of seeds/planting material for fruits shall be recommended selectively by the Deptt. of Agriculture & Cooperation on a case to ease basis, on the recommendation of the State Director of Horticulture/Agriculture, subject to such quarantine regulations as may be laid down by the Plant Protection Adviser (PPA)
  - (e) Import of sowing materials for seeds of trees, shrubs, etc., may be allowed on the recommendation of the Forest Research Institute of India subject to the provision of the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984. Import shall be subject to inspection and identification by the Ministry of Environment and Forests.
  - (2) All imports of seeds, plants living and plant material by land, sea or air shall be accompanied by a phytesanitary certificate issued by the appropriate authority in the country of origin in the internationally recognised form, indicating that the consignment is free from injurious insects, pests/plant disease. Additional declarations to be include in the phytesanitary certificate may be prescribed by the Plant Protection Adviser. To ensure themselves of proper and timely help in this regard, eligible importers are advised to consult and apply well in

6		[PART II—SEC. 1]			
1	2	3	4		
			him in the Directorate of Pi Faridabad, for the grant of of the Destructive Insects an	dviser or any other officer authorised by lant Protection, Quarantine and Storage, an import permit under the provisions and Pests Act, 1914 and produce it to the sat the time of clearnace of the imported	
			ing will be given after the que Protection Adviser. The im	imported consignments of seeds for sow- uarantine clearnace is given by the Plant ported consignment of seeds for sewirg arehouse at the cost of the importer un- ance is given.	
			vention on International Trac	d in any of the Appendices of the Con- de in Endangered Species of Wild Fauna subject to inspection by the Deputy Dir- , Government of Indig."	
2	129	Appendix 2 Part-B	After the existing entry No. 101, the "101A. Seeds of wheat and paddy	e following new entry shall be added:- . 34-1071-02-1."	
3.	166	Appendix 6	After the existing item No. 47, the fo	ellowing new item shall be added;-	
			Itcm	Categories of eligible importers	
			"48 (i) Seeds of vegetables/flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers.  (ii) Cuttings, saplings, budwood, etc., of flowers.	(a) Departments of Agriculture/Horti- culture of the State Governments, State Agricultural Universities and Indian Council for Agricultural Research (ICAR).	
			(1	b) Seed producins Indian companies/ firms which are registered with the National Seeds Corporation.	
			(	c) National Seeds Corporation, State Seeds Corporations.	
			(6	d) Food Processing Industrial Units.	
			(	e) Growers of flowers and vegetables registered with the Director of Agriculture/Horticulture of the State Governments".	
4.	173 Appendix 6 Conditions governing Import under General Licence		After the existing Condition No. (45), the following conditions shall be added "(45A) (i) Imports of seeds of vegetables/flowers, seeds of ornemental plan tubers and bulbs of flowers by eligible importers vide Item 1 48(i) of this Appendix shall be regulated by the provisions of t Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Ord 1984, after satisfying such quarantine regulations, as may be pi scribed by the Plant Protection Adviser. Visual inspection, lat ratory inspection and grow-out tests will be necessary. The consignment shall be kept in a bonded warehouse at the cost of the inporter until quarantine/customs clearance is given. The custom clearance of vegetable, flower/ornamental plant seeds, tubers a bulbs of flowers will be given by the customs authorities on rece of quarantine clearance from the Plant Protection Advisor.		
			any disease of pest or ner	shows the presence or manifestation of matode of exotice origin, the entire con- and destroyed in the prescribed manner.	
			No. 48(ii) of this Append	and saplings, etc. of flowers vide Item lix should possess post entry quarantine e approved by the Plant Protection Ad-	

1	2	3	4
			(ii) For import of cuttings' saplings' budwood, etc. of flowers, in addition to visual inspection and laboratory inspection, post entry quarantine (PEQ) shall be essential. PEQ facilities as may be prescribed by the Plant Protection Adviser, shall have to be established by the eligible categories of importers permitted to import under OGL.
			(iii) Customs clearance shall be given by the customs authorities to the consignment on receipt of the quarantine clearance from Plant Protection Adviser.
			(iv) Cuttings, saplings, budwood, etc., of flowers which require PEQ inspection shall be grown in the PEQ facility approved by the authority prescribed under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984. If after quarantine/customs clearance the said authority observes the presence of any exotic pest or disease during PEQ inspection the material shall be forthwith destroyed in the prescribed manner."
5. 312		Anxendix 17 Export Product	In column No. (5), the following shall be added:-
		Group G.2 Column No. 5	"General Notes:-
			(1) Transfer of REP licences for items, seeds of flowers/vegetables/ornam enta plants and bulbs and tubers of flowers shall be allowed only to these per sons who are covered by the categories of eligible importers at Sl. No. 43 in Appendix 6 of this Book subject to the conditions laid down in the Plants Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984."
6, 312		Appendix 17 Export Product G. 2(i)((a) Column No. 4 Item No. (d)	The existing description of item No. (d) shall be amended as under:- "(d) Seeds of vegetables/flowers (excluding oil seeds and dry fruits)-"
7. 312		Appendix 17 Export Product	The existing description of item (a) shall be amended as under :-
		G. 2(i)(b) Column No. 4 Item No. (a)	"(a) Same as items (a), (b), (c) and (e) against Sl. No. G. 2(i)(a) above."
8. 313		Appendix 17 Export Product.	(i) The existing description of item No. (a) shall be amended as under:-
		G. 2(ii) Column No. 4	"(a) Seeds of vegetables/flowers (excluding oil seeds and dry fruits)." (ii) The existing item No. (a) shall be deleted.
			(iii) The existing description of item No. (f) shall be amended as under:— "(f) Bulbs and tubers of flowers."
9. 313		Angen fix 17 Export Product G. 2(iii) Column No. (4)	(i) The existing description of item (b) shall be amended as under::— "(b) Seeds of ornamental plants/vegetables/flowers (excluding oil seeds and dry fruits)."
			(ii) The existing description of item (d) shall be amended as under:- "(d) Bulbs and tubers of flowers."

3. The above amendments in the Import Policy have been made in the public interest.

R.L. MISRA,

Chief Controller of Imports & Exports.